

FORM NO. 111

फर्द अहकाम (नियम 26)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी मु० रींगस (सीकर)

उनवान मंजूदेवी बनाम मीनादेवी वगै०

किस्म मुकदमा प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा मुकदमा नं. 230 सन् 2025

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम
11.09.2025	<p>प्रार्थी की ओर से वकील श्री भंवरसिंह बिजारनियां ने प्रा० पत्र पेश किया। रिपोर्ट सरिस्ता ली गयी। प्रा० पत्र दर्ज रजिस्टर किया जावे।</p> <p>प्रार्थी अधिवक्ता के इस अनुरोध पर कि प्रकरण अत्यावश्यक प्रकृति का है तथा प्रार्थी के पक्ष में अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा पारित नहीं किये जाने पर प्रार्थना पत्र का उद्देश्य ही असफल हो जायेगा। प्रार्थना पत्र अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा बिन्दु वकील प्रार्थी को सुना गया एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया प्रार्थना पत्र की प्रकृति एवं आकस्मिकता को ध्यान में रखते हुए अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा इस आशय की जारी की जाती है कि उभय पक्षकारान को आगामी आदेश तक जरिये अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि राजस्व ग्राम बालाकाली पटवार हल्का शाहपुरा पटवार हल्का ठीकरिया तहसील रींगस जिला सीकर राज० के भूमि ख०न० 1040/755 रकबा 1.4361 है० के मौके की यथास्थिति बनाए रखें। विशिष्ट भू-भाग का बेचान नहीं करें।</p> <p>उक्त अन्तरिम टी.आई. आदेश हकत्याग /सीमाज्ञान/ पत्थरगढी/ नामान्तकरण खुलवाने के विधिक आदेश की पालना में एवं रास्ता खुलवाने व नवीन रास्ता चाहने के आदेश, विद्युत कनेक्शन व विद्युत लाईन डालने, न्यायालय में विचाराधीन राको-रोड़ा व अन्य</p>	<p>जो इस हुकम की तामील में जारी हुये</p> <p>1701/01704 1219/25</p>

राजकीय वसूली के प्रकरण में व भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही के क्रम में लागू नहीं होगी।

प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है कि अप्रार्थीगण के नोटिस की तामील को सामान्य व साधारण प्रक्रिया के साथ-साथ अप्रार्थीगण को प्रार्थना पत्र दस्तावेज व नोटिस की प्रतियां रजिस्टर्ड डाक से भिजवाना सुनिश्चित करें तथा आगामी पेशी पर इस आशय का शपथ पत्र भी प्रस्तुत करें। प्रकरण को स्वच्छ हाथों से प्रस्तुत किया हुआ मानकर तथा एकपक्षिय सुनवायी के आधार पर न्यायालय के विवेकाधीन शक्तियों के तहत अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की गयी है। लिहाजा प्रार्थीगण से यह अपेक्षा की जाती है कि वह उपरोक्तानुसार अप्रार्थीगण पर एकपक्षीय आदेश की तामील की ठोस कार्यवाही करें तथा आदेश 39 नियम 3 (क) के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करें अन्यथा अन्तरिम आदेश को आयन्दा तारीख पेशी पर विस्तारित करने से पूर्व न्यायालय अपने विवेकाधिकार एंवम अन्तर्निहित शक्तियों का प्रयोग करेगा जिन परिस्थितियों में यह अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा पारित की गई है, में परिवर्तन की दशा में संशोधन/वैकेट कर दी जावेगी। अप्रार्थीगण को जरिये 07.10.2025 को पेश करे।

R

(बृजेश कुमार)
उपखण्ड अधिकारी
रींगस सीकर

25/09/25

पत्रावली प्रेष्य हुवे। प्रार्थीगण को
अपिषेधाज्ञा की शपथ पत्र दस्तावेज व नोटिस के
साथ-साथ अप्रार्थीगण को प्रार्थना पत्र दस्तावेज व नोटिस की
प्रतियां रजिस्टर्ड डाक से भिजवाना सुनिश्चित करें तथा आगामी
पेशी पर इस आशय का शपथ पत्र भी प्रस्तुत करें। प्रकरण को
स्वच्छ हाथों से प्रस्तुत किया हुआ मानकर तथा एकपक्षीय
सुनवायी के आधार पर न्यायालय के विवेकाधीन शक्तियों के
तहत अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की गयी है। लिहाजा
प्रार्थीगण से यह अपेक्षा की जाती है कि वह उपरोक्तानुसार
अप्रार्थीगण पर एकपक्षीय आदेश की तामील की ठोस कार्यवाही
करें तथा आदेश 39 नियम 3 (क) के प्रावधानों की पालना
सुनिश्चित करें अन्यथा अन्तरिम आदेश को आयन्दा तारीख
पेशी पर विस्तारित करने से पूर्व न्यायालय अपने विवेकाधिकार
एंवम अन्तर्निहित शक्तियों का प्रयोग करेगा जिन परिस्थितियों
में यह अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा पारित की गई है, में
परिवर्तन की दशा में संशोधन/वैकेट कर दी जावेगी। अप्रार्थीगण
को जरिये 07.10.2025 को पेश करे।



उपखण्ड अधिकारी
रींगस (सीकर)